



Cambridge Assessment International Education
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE
NAME

CENTRE
NUMBER

--	--	--	--	--

CANDIDATE
NUMBER

--	--	--	--



HINDI AS A SECOND LANGUAGE

0549/01

Paper 1 Reading and Writing

October/November 2019

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your centre number, candidate number and name on all the work you hand in.

Write in dark blue or black pen.

Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.

DO NOT WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [] at the end of each question or part question.

This document consists of **14** printed pages and **2** blank pages.

अभ्यास 1

‘रबीन्द्रनाथ टैगोर की राखी’ आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बंगला भाषा के प्रसिद्ध कवि रबीन्द्रनाथ टैगोर कोलकाता में रहते थे। वे जहाँ भी जाते थे उनके दर्शन के लिए लोगों की अच्छी-खासी भीड़ इकट्ठी हो जाती थी। 'गीतांजली' कविता पुस्तक के लिए उनको नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने एक दिन हिंदुओं का प्रसिद्ध त्यौहार रक्षाबंधन मनाने का निश्चय किया। सावन मास की पूर्णिमा के दिन मनाए जाने वाला राखी या रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के परस्पर स्नेह-बंधन को पुष्ट करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी की पवित्र मौली बांध कर उसका मुँह मीठा करती है और भाई उसकी सदा सहायता और देखभाल करने का वादा करता है।

राखी का त्यौहार मनाने के लिए रबीन्द्रनाथ, उनके भतीजे अबनीन्द्रनाथ और क्षितिन्द्रनाथ प्रातःकाल कोलकाता के जगन्नाथ घाट पर गंगास्नान करने के लिए पैदल रवाना हुए, लोगों ने उनको देखते ही पहचान लिया और रास्ते में अच्छी खासी भीड़ इकट्ठी हो गई। कुछ लोग तो उनके साथ-साथ गंगाघाट तक चले गए। गंगा के पवित्र जल में स्नान करने के बाद मंत्रानुष्ठान हुआ और सबने एक दूसरे को राखी बांधी। गंगा तट पर जो भी मिला उसको भी रबीन्द्रनाथ ने राखी बांधी।

गंगाघाट से लौटते समय रबीन्द्रनाथ को मल्लिक के अस्तबल का रखवाला दिखाई दिया। वे तुरंत अस्तबल में घुस गए और उसको राखी बांधने लगे। अबनीन्द्रनाथ और क्षितिन्द्रनाथ का यह सोच कर भय से बुरा हाल था कि कहीं मुसलमान होने के कारण रखवाले को राखी बंधवाने से आपत्ति न हो। पर उनके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब उसने बड़े प्रेम से रवि बाबू से राखी बंधवाई और फिर वे आपस में गले भी मिले।

कुछ और आगे जाकर रवि बाबू को सूझा कि चितपुर रोड की बड़ी मसजिद में जाकर वहाँ के मुसलमान भाइयों को राखी बांधी जाए। तब तक अबनीन्द्रनाथ और क्षितिन्द्रनाथ ने दंगे के डर से घर लौटकर दरबान को भेजा ताकि वे रबीन्द्रनाथ को सही सलामत घर ले आए। घर की महिलाओं को जब पता चला तो वे चिंतित होकर उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना करने लगीं। लगभग एक घंटे के बाद रबीन्द्रनाथ अपने दड़ियल चेहरे से मुस्कुराते हुए वापस लौटे। उनकी कलाई पर रंगबिरंगी राखियाँ बंधी हुई थीं और उनके पीछे आने वाले दरबान के हाथ में मिठाइयों का बड़ा डिब्बा था।

- 1 रबीन्द्रनाथ टैगोर कौन थे?
..... [1]
- 2 रक्षाबन्धन के त्यौहार का क्या महत्त्व है?
..... [1]
- 3 वे गंगातट पर किसलिए गए थे?
•
• [2]
- 4 रास्ते में भीड़ क्यों जमा हो गई?
..... [1]
- 5 रबीन्द्रनाथ को अस्तबल में जाते देख कर उनके भतीजों को किस बात की चिंता हुई?
..... [1]
- 6 रबीन्द्रनाथ की कलाई पर राखी, चेहरे पर मुस्कान और दरबान के हाथ में मिठाई के डिब्बे से क्या पता चलता है?
•
• [2]

[Total: 8]

अभ्यास 2

'रेगिस्तान का जहाज़' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

- A** रेगिस्तान की तेज़ गर्मी से तपती हुई बालू पर बिना अन्न और जल ग्रहण किए भारी बोझा ढोते रहने के कारण ऊंट को 'रेगिस्तान का जहाज़' कहते हैं। प्राचीन काल से बालू के टीलों पर बिना खाए पीए अपने कूबड़ में संचित वसा या चर्बी से ऊर्जा लेकर चौड़े खुरों के बल पर कई दिनों तक लगातार चलने वाला यह पशु मरुस्थल में यातायात करने का श्रेष्ठ वाहन माना जाता है।
- B** ऊंट रेगिस्तान की गर्म और शुष्क जलवायु के इतना उपयुक्त है कि यह कल्पना करना कठिन है कि वह पहले किसी भिन्न जलवायु में पाया जाता था। पैलिओबायोलोजिस्ट्स अर्थात जीवाश्म वैज्ञानिकों के अनुसार लाखों वर्ष पूर्व ऊंट उत्तरी अमेरिका की बर्फीली घाटियों में विचरण करता था। उसको अपने चौड़े खुरों के कारण बर्फ पर चलने में आसानी होती थी। ऊंट के मूल आवास की जानकारी की पुष्टि के पीछे एक रोचक और सच्ची कहानी है। नातालया रिबजिनस्की नामक जीवाश्म वैज्ञानिक को उत्तरी टूंड्रा के आर्कटिक सर्कल में खुदाई करते समय हाथ की हथेली के बराबर एक जंग लगी हड्डीनुमा चीज़ मिली। उसके बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए चार वर्षों तक वहां खुदाई करके उन्होंने हड्डियों के मिलते-जुलते छोटे-छोटे 30 टुकड़े एकत्रित किए। उन टुकड़ों को जोड़कर एक आकार देना बहुत बड़ी चुनौती थी। इस काम के लिए उन्होंने तीन आयामी स्कैनर की सहायता ली। टुकड़ों को जोड़ने पर एक जानवर की टांग की हड्डी की आकृति बनी जो इतनी बड़ी थी कि किसी गाय अथवा भेड़ की नहीं हो सकती थी। अन्य जानवरों के डी एन ए से तुलना करने पर वैज्ञानिकों को ऊंट के साथ उसका मेल मिला। तबसे यह माना जाता है कि साढ़े तीन सौ लाख साल पहले ऊंट उत्तरी अमेरिका में वास करता था।
- C** उत्तरी अमेरिका में रहने वाला ऊंट वर्तमान समय के रेगिस्तान में रहने वाले ऊंट से 30 प्रतिशत बड़ा और वज़न में भारी रहा होगा। ऊंटों की एक शाखा मध्यपूर्व एशिया, ईरान और अरब देशों में बस गई जहां उनको गाय और घोड़े की तरह घरेलू पशु के रूप में पाला जाने लगा और दूसरी दक्षिण अमेरिका में जा बसी जहां वे अब लामा और अलपाका के रूप में पाए जाते हैं। हिम युग में आकर उत्तरी अमेरिका से ऊंट विलुप्त हो गए।
- D** एक वयस्क ऊंट लगभग सात फुट ऊंचा और 650 किलो वज़न का होता है। वह अपनी पीठ पर 450 किलो तक का बोझ ढो सकता है। ऊंटनी प्रति दो तीन वर्षों में तेरह महीनों तक गर्भ में रखकर एक बछड़े को जन्म देती है। जन्म के समय बछड़े के चर्म पर रोयें रहते हैं, उसकी आंखे खुली होती हैं और वजन 50 किलो के करीब होता है। बछड़े को ऊंटनी अपने दूध से पालती है। पूर्ण वयस्क होकर झुण्ड में शामिल होने तक वह अपनी माँ के साथ ही रहता है। लगभग दो वर्ष का होने पर जब वह माँ के दूध की जगह वनस्पति और कांटेदार झाड़ियां आदि खाने लगता है, उसकी पीठ का कूबड़ विकसित होता है। रेगिस्तान में रहने वाले ऊंट की औसत उम्र 40 वर्ष होती है। ऊंट की पीठ पर एक या दो कूबड़ होते हैं। मध्य-पूर्व एशिया में पाए जाने वाले ऊंट की पीठ पर दो कूबड़ और अरब देश के ऊंट की पीठ पर एक कूबड़ होता है। ऊंटनी के दूध में गाय के दूध की अपेक्षा तीन गुणा अधिक विटामिन सी और आधी वसा होने के कारण वह अधिक पौष्टिक होता है। इसलिए अरब देशों में लोग ऊंट का दूध पीना पसंद करते हैं।

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7-15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A-D) किस वक्तव्य से सम्बंधित है।

उदाहरण:

कौन सा अनुच्छेद

बताता है कि ऊंट को रेगिस्तान का जहाज़ कहते हैं।

A B C D

7 उत्तरी अमेरिका में पाया जाने वाला ऊंट मध्य-पूर्व एशिया के ऊंट से अधिक बड़ा था।

A B C D [1]

8 ऊंट की पीठ के कूबड़ की संख्या का संबंध उसके मूल आवास से है।

A B C D [1]

9 जन्म के समय ऊंट के बछड़े की पीठ पर कूबड़ नहीं होता है।

A B C D [1]

10 वैज्ञानिकों को आर्कटिक सर्कल की खुदाई करने पर यह जानकारी मिली कि ऊंट मूलतः रेगिस्तान का पशु नहीं था।

A B C D [1]

11 ऊंटनी का गर्भकाल बहुत लम्बा होता है।

A B C D [1]

12 ऊंट का मूल आवास उत्तरी अमेरिका में था।

A B C D [1]

13 लामा और अलपाका ऊंट की ही प्रजातियां हैं।

A B C D [1]

14 ँत कई दिनों तक बिना पानी पिए रह सकता है।

A

B

C

D

[1]

15 आजकल उत्तरी अमेरिका के देशों में ँत केवल चिड़ियाघर में देखे जा सकते हैं।

A

B

C

D

[1]

[Total: 9]

अभ्यास 3

‘योग, ध्यान, और जागरूकता’ आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जिसका विकास 5000 वर्ष पूर्व उत्तर भारत में हुआ था। ‘योग’ शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ऋग्वेद में मिलता है। यह शब्द संस्कृत के ‘युज’ धातु से बना है जिसका अर्थ ‘जोड़ना’, ‘मिलाना’, ‘संयम’ या ‘अनुशासन’ होता है। योग के महान ग्रंथ ‘पतंजलि योग दर्शन’ के अनुसार ‘मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है।’ प्राचीन काल में योगी अपने शरीर और मन को अनुशासित करके आध्यात्मिक विकास करने के उद्देश्य से योगासन करते थे। कहा जा सकता है कि योग अपने लक्ष्य को पाने के लिए अनुशासित तरीके से किया गया अभ्यास है। इसके द्वारा शरीर, मन, और आत्मा का संबंध दृढ़ होता है। आधुनिक युग में इसके आध्यात्मिक पक्ष के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य और क्षमता बढ़ाने के लिए विश्व भर में इसका प्रचार और प्रसार हो रहा है। इसका प्रमाण 21 जून 2016 को मिला जब भारत के प्रधान मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की और विश्व के 177 देशों ने सामूहिक रूप से योग शिविर लगा कर उसमें भाग लिया। योग के विभिन्न आसनों का नियमित रूप से अभ्यास करने से शरीर में लचीलापन बना रहता है, हड्डियां मजबूत होती हैं और गठिया अनिद्रा, उच्च रक्तचाप जैसे रोगों में लाभ होने के साथ शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। यह एक प्राकृतिक पद्धति है जो हमें प्रकृति से जोड़ती है।

‘ध्यान’ योग का मानसिक और आध्यात्मिक अंग है। प्राणायाम अर्थात् श्वास-निश्वास की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करने से दुष्कर मनोभावों और तनाव से मुक्ति मिलती है। ‘ध्यान’ एक मानसिक शांति और विश्राम की प्रक्रिया है। ‘ध्यान’ की एक स्थिति को माइण्डफुलनेस अर्थात् जागरूकता या चैतन्यता कहते हैं। मनुष्य की दुश्चिंता का मुख्य कारण अतीत की नकारात्मक स्मृति और भविष्य के प्रति आशंका को कहा जा सकता है। हम अपने अतीत और भविष्य की चिंता करके अपने वर्तमान को दुखी बना लेते हैं। हम ‘वर्तमान’ को नहीं जीते हैं। बौद्ध धर्म के अनुसार हमारा बंदर-मन खयालों में ऐसे छलांग लगाता रहता है जैसे बंदर एक डाल से दूसरी डाल पर कूदता है। चैतन्यता-ध्यान द्वारा वर्तमान के बारे में जागरूक होकर अतीत और भविष्य की चिंता के विषाद तथा आलोचना से मुक्ति और मानसिक शांति पाई जा सकती है। क्योंकि दुश्चिंता का सम्बंध भविष्य से होता है, वर्तमान में मन को केंद्रित रख कर उससे बचा जा सकता है। अपनी श्वास-निश्वास पर पूरी तरह से ध्यान लगा कर मन को वर्तमान में स्थिर किया जा सकता है। चैतन्य-अवस्था दुश्चिंताओं से एक भावात्मक दूरी बना देती है।

आज के जीवन में मानसिक बिखराव का कारण तरह-तरह के आकर्षण हैं। इनका बुरा प्रभाव छोटी उम्र के बच्चों में होने वाले मानसिक रोगों के रूप में देखा जा सकता है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा का उपाय करने के लिए लंदन के एक प्राथमिक विद्यालय में चैतन्यता-ध्यान को स्कूल के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। स्कूल के 500 छात्रों को चैतन्यता-ध्यान की पद्धति सिखाई गई है। प्रतिदिन सुबह नौ बजे पंजीकरण के बाद विद्यार्थी सीधे पालथी लगाके बैठ कर और आंखे बंद कर के कुछ देर के लिए श्वास-निश्वास की प्रक्रिया पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। उनका कहना है कि इससे उनकी मानसिक एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ती है जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा के स्तर पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। स्कूल के शिक्षकों का कहना है कि इसके नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों में लचीलापन, सजगता और कल्याण की भावना विकसित हो रही है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होना ही नहीं, भावी जीवन में आने वाली चुनौतियों से हार मानने के बजाय उनका सामना करने की योग्यता विकसित करना है। चैतन्य-अवस्था की साधना से आने वाली कठिनाइयों के सामने झुकने की जगह उनका सामना करने का लचीलापन और मानसिक शक्ति का विकास हो सकता है।

'योग, ध्यान और जागरूकता' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16-19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 योग शब्द का अर्थ और परिभाषा

-
- [2]

17 योग के शारीरिक और मानसिक/आध्यात्मिक पहलू

- शारीरिक
- मानसिक/आध्यात्मिक [2]

18 योग से होने वाले कोई 3 लाभ

-
-
- [3]

19 शिक्षा संस्थाओं में चैतन्यता-ध्यान के प्रसार का कारण

-
- [2]

[Total: 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखेंगे।

अभ्यास 4

20 **अभ्यास 3** के 'योग, ध्यान और जागरूकता' शीर्षक आलेख में चैतन्यता ध्यान की विधि और उससे आधुनिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने में योगदान का वर्णन है।

अभ्यास 3 में अपने बनाए नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखें। आपका सारांश अधिकतम **100 शब्दों** में होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको अंतर्वस्तु के लिए अधिकतम **4 अंक** और सटीक एवं संक्षिप्त भाषा-शैली के लिए अधिकतम **6 अंक** दिये जाएंगे।

अभ्यास 5

21 आप अपने मित्र से मिलने के लिए उनके शहर में जाने वाले हैं। उनको एक ई-मेल लिखें तकि वे आपको लेने के लिए स्टेशन पर आ सकें। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

- यात्रा का कार्यक्रम
- आप मित्र से मिलने के लिए कैसा अनुभव कर रहे हैं
- कोई एक गतिविधि जो आप मित्र के साथ करना चाहेंगे।

आपका ई-मेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए।

आपको 3 अंक अंतर्वस्तु के लिए और 5 अंक **सटीक** भाषा एवं शैली के लिए दिए जाएंगे।

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.